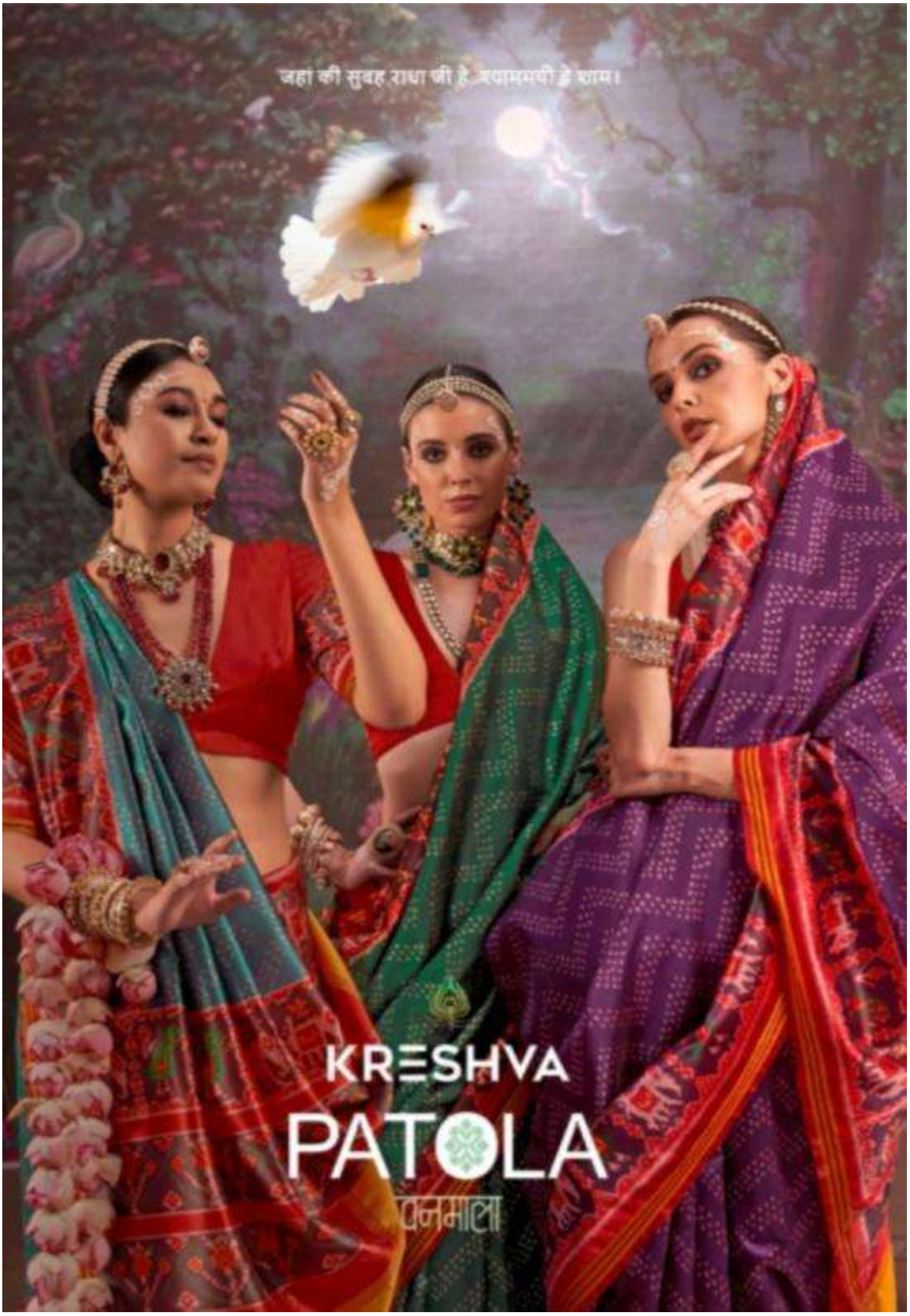
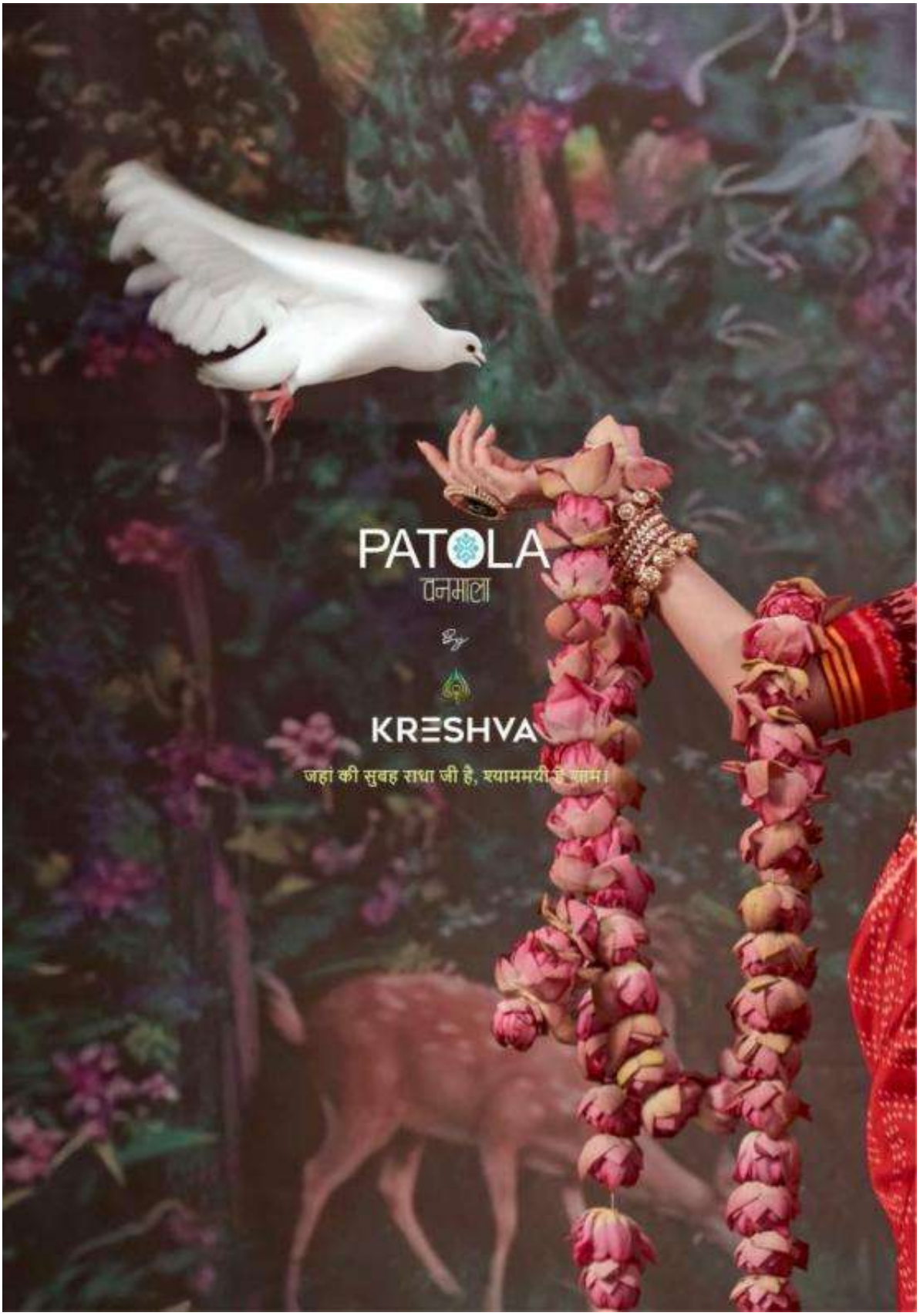
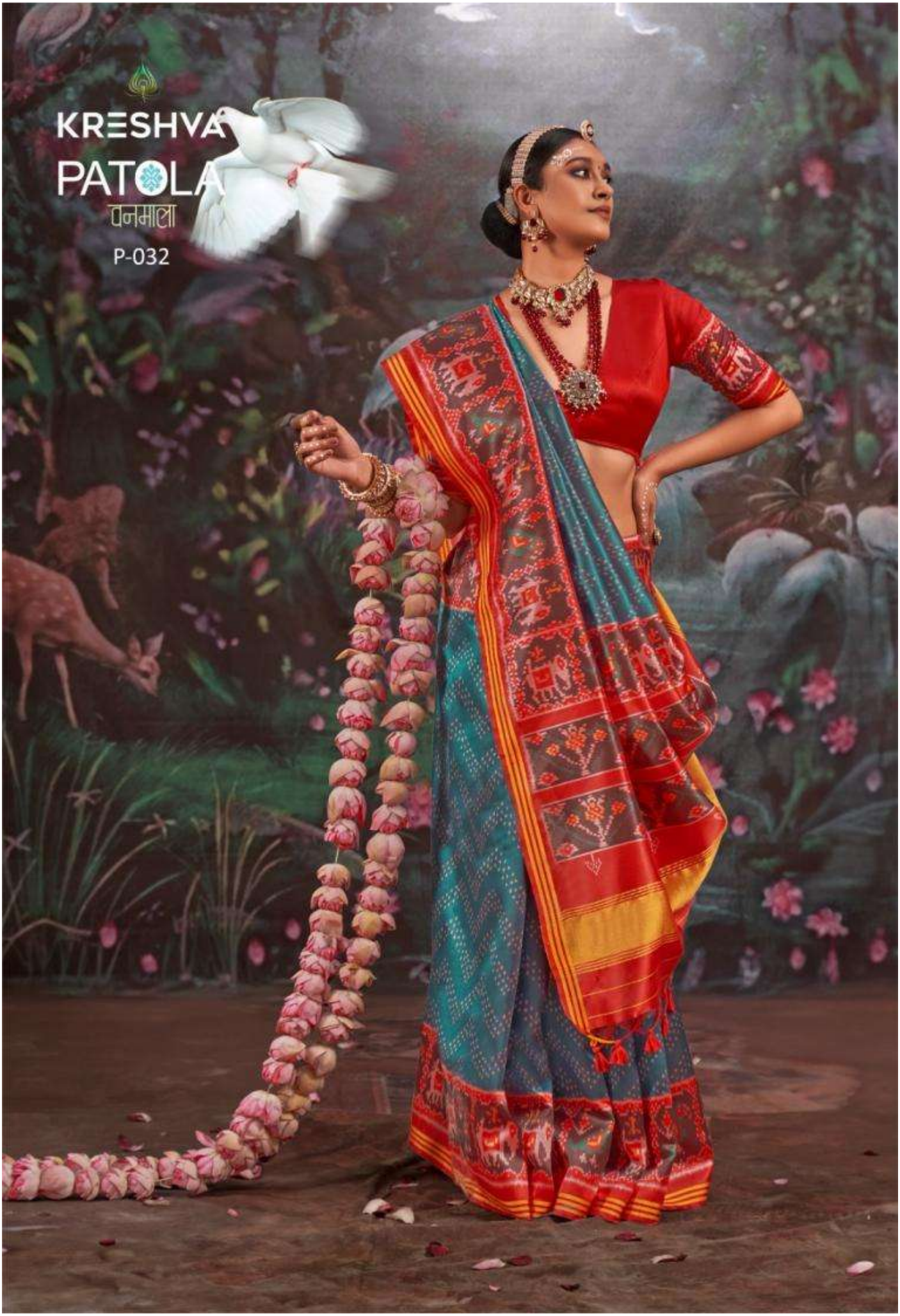

जहां की सुबह राधा जी है, श्यामसंपी है शाम।
KRESHVA
PATOLA
वनमाला


PATOLA
वनमाला
By
KRESHVA
जहां की सुबह राधा जी है, श्याममयी है शाम।

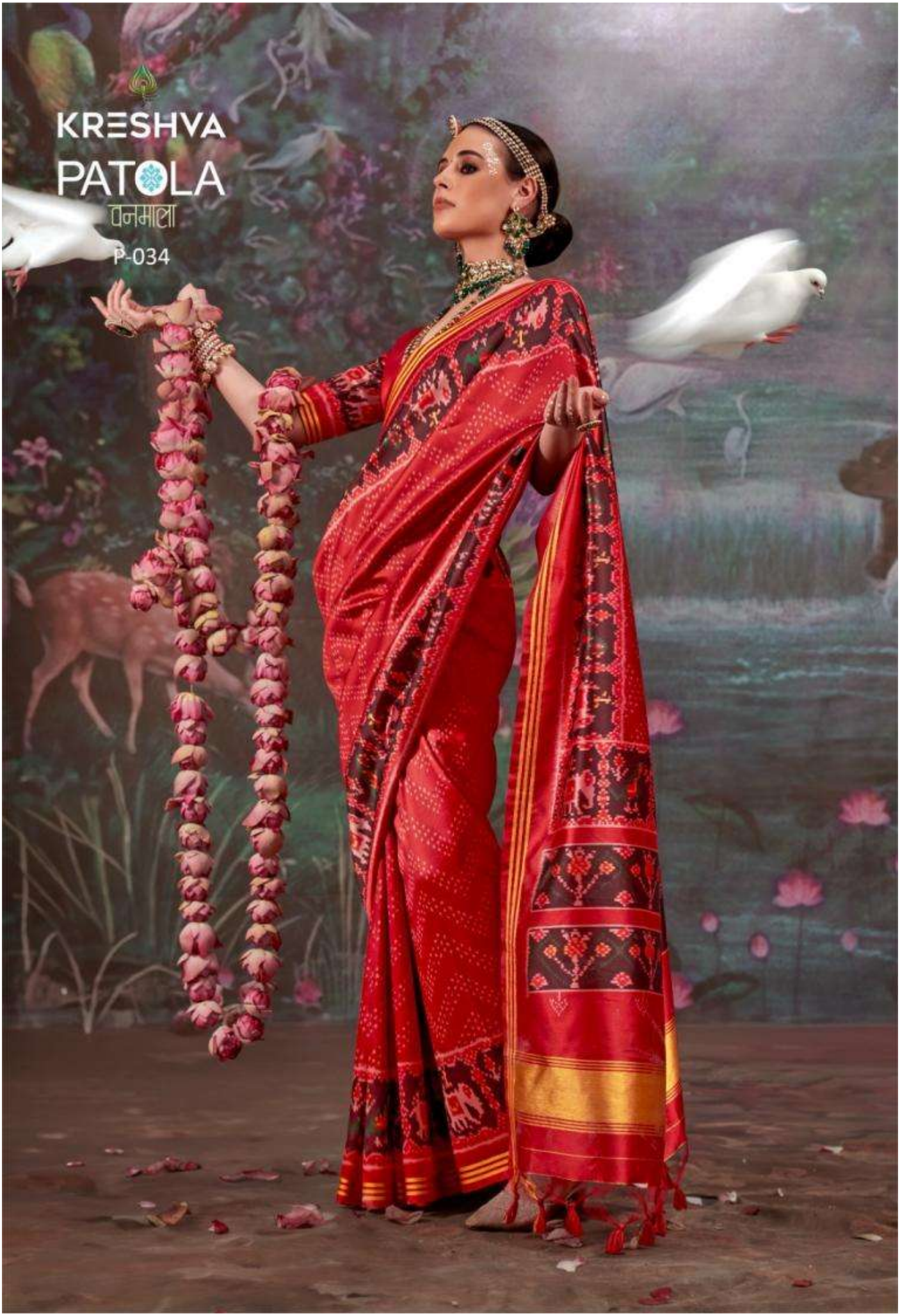

KRESHVA
PATOLA
वनमाला
P-029

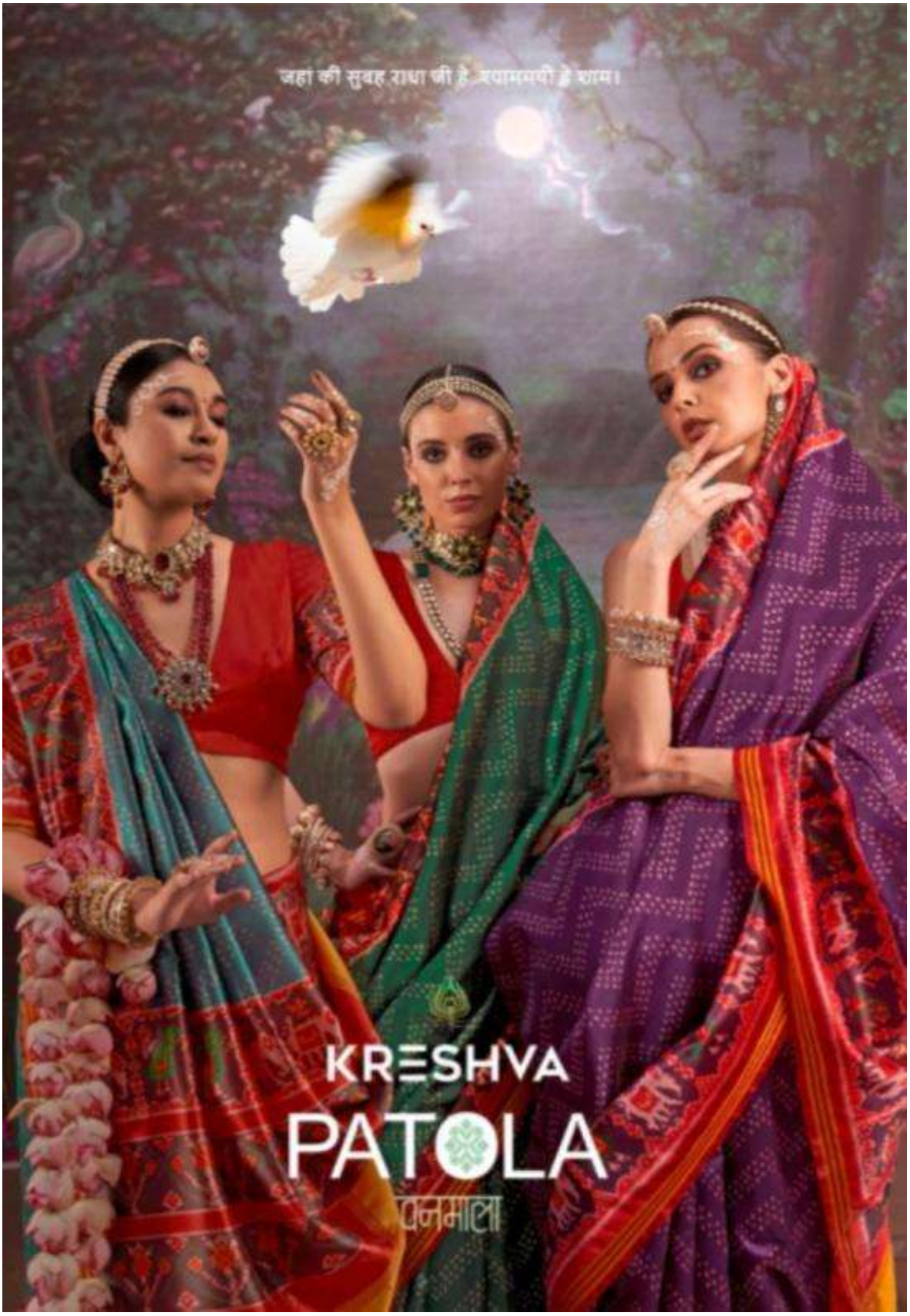

KRESHVA
PATOLA
वनमाला
P-030


KRESHVA
PATOLA
वनमाला
P-031


KRESHVA
PATOLA
वनमाला
P-032

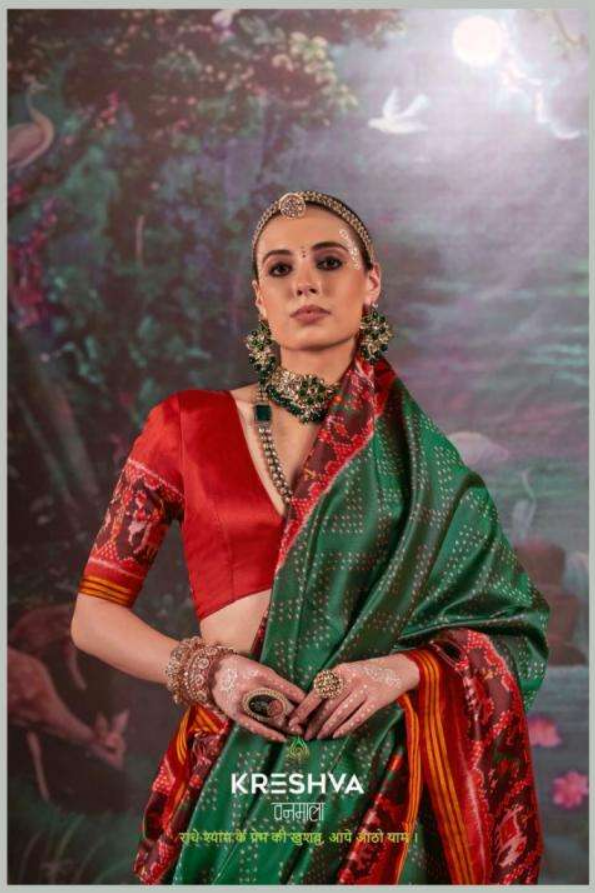

KRESHVA
PATOLA
वनमाला
P-033

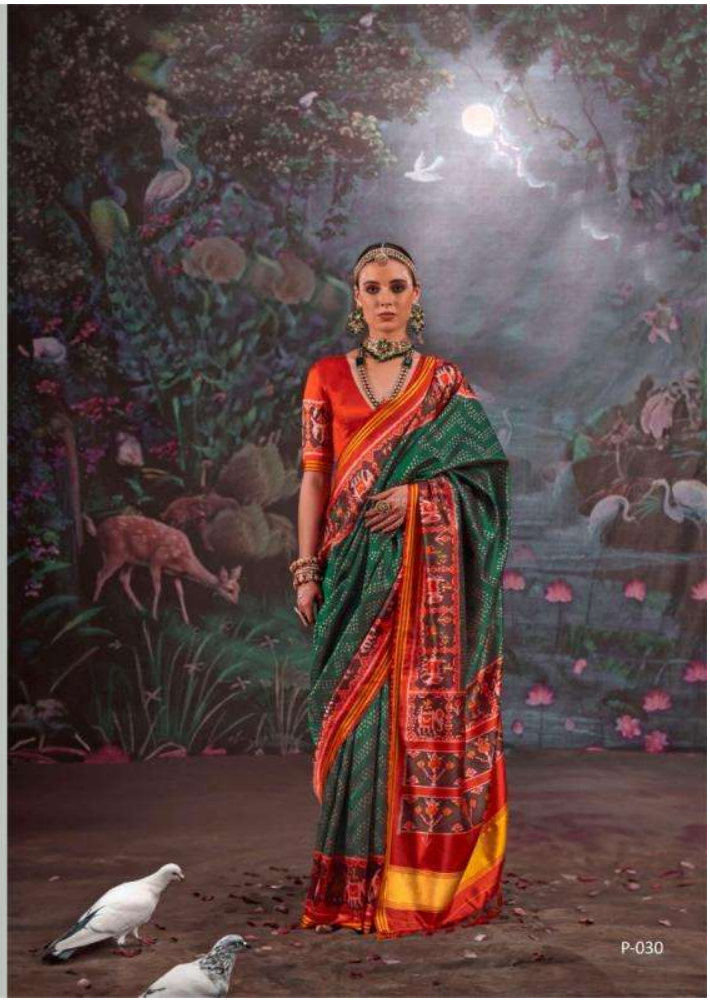

KRESHVA
PATOLA
वनमाला
P-034

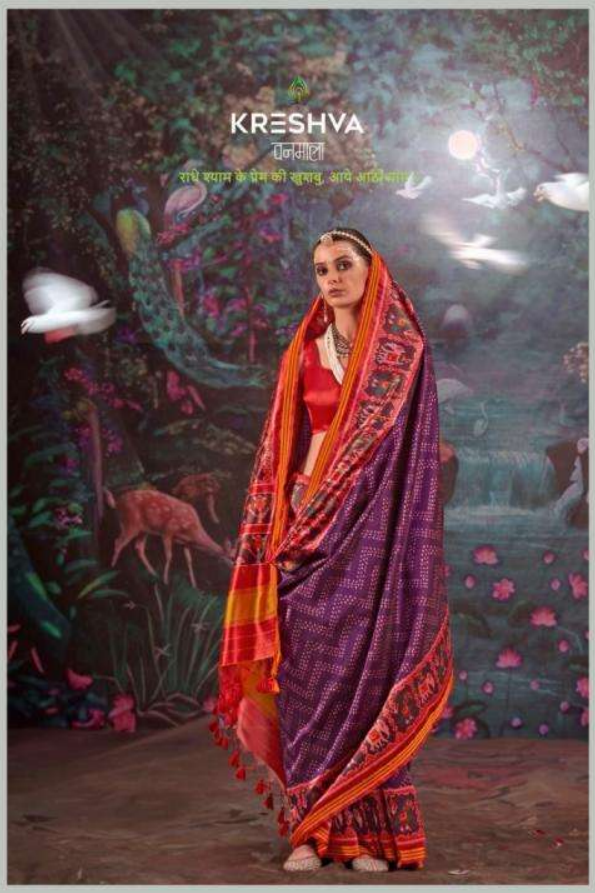

जहां की सुबह राधा जी है, श्यामसंपी है शाम।
KRESHVA
PATOLA
वनमाला

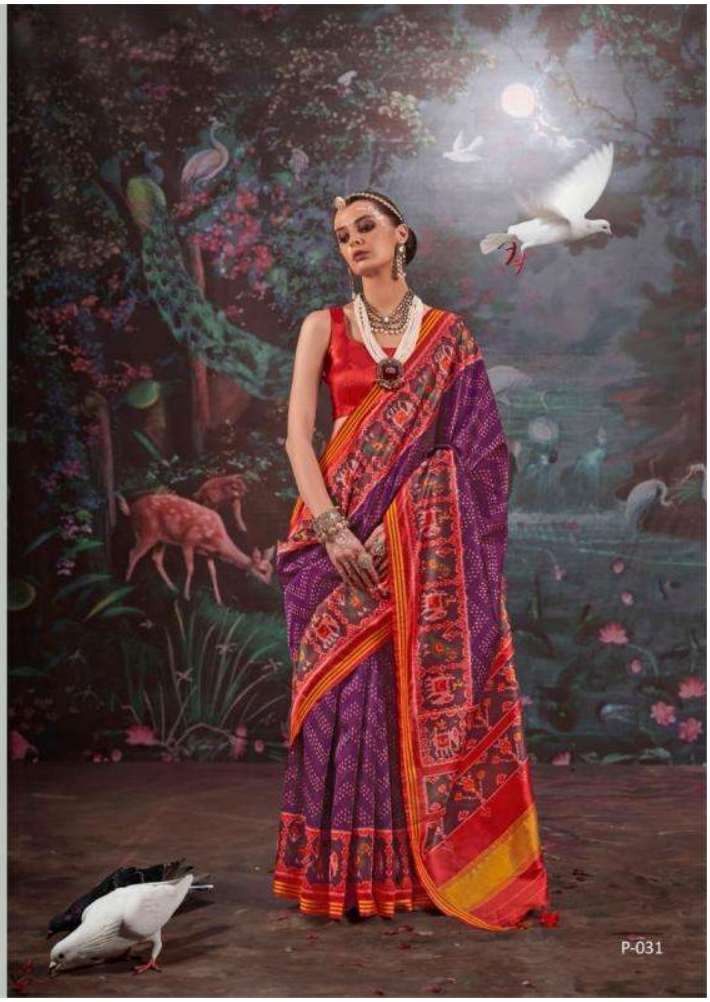



KRESHVA
वैजयन्तीमाला
राधे श्याम के प्रेम की खुशबू, आये आठों याम ।
P-029

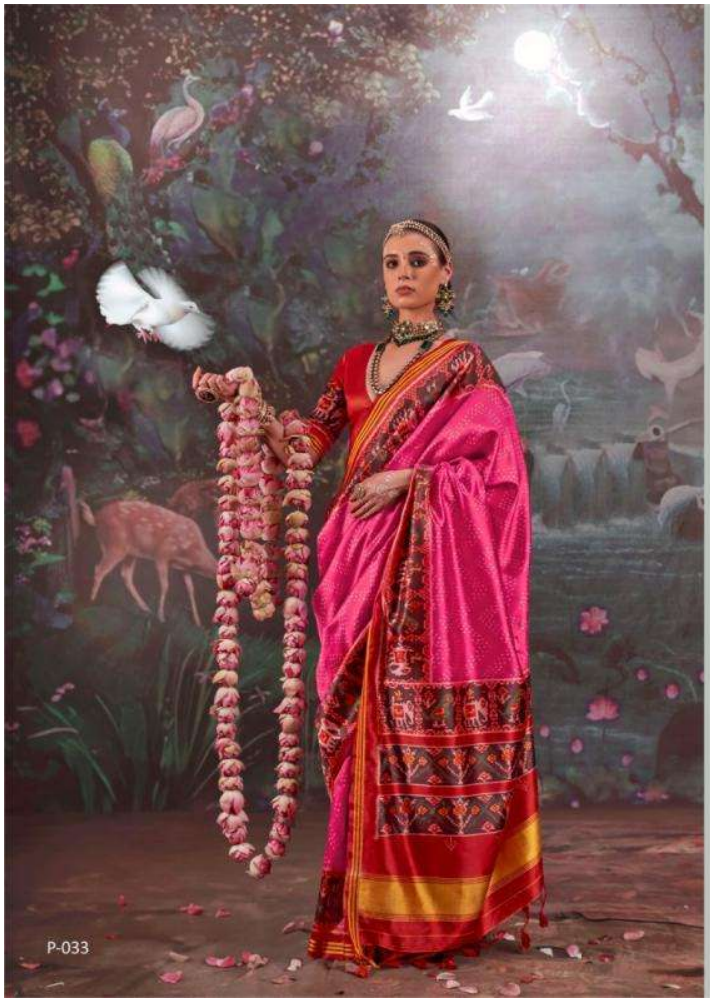

KRESHVA
वनमाला
राधे श्याम के प्रेम की खुशबू, आये जाओ धाम।

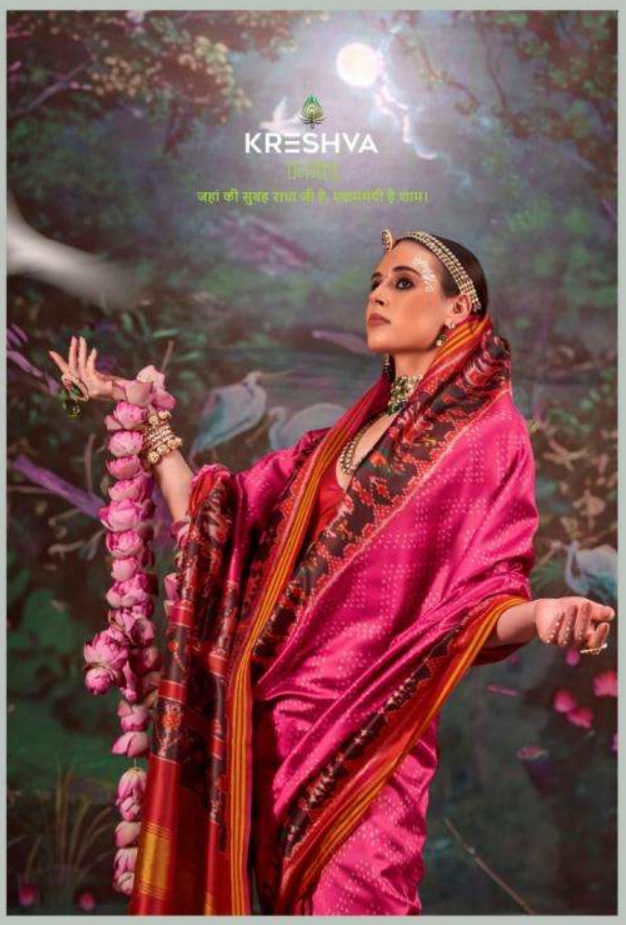

P-030


KRESHVA
वनमाली
राधे श्याम के प्रेम की खुशबू, आये आठों याम


P-031


KRESHVA
जहां के हर घर गली-गली में बसे श्यामा श्याम।
P-032


P-033


KRESHVA
जहां की सुबह राधा जी है, शाम श्यामसुंदर है शाम।




KRESHVA
वनमाला
P-034



P-029



P-030



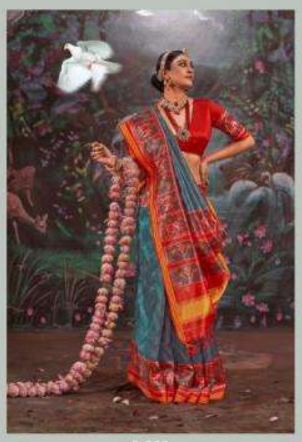
P-033



P-034



P-031



P-032

PATOLA

वनमाली

By

KRESHVA

जहा भी सुनत राधा जी है, श्यामसखी है साथ।